263

258

500Rs.

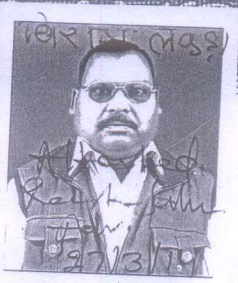

INDIA NON JUDICIAL

५०० रु.   Rs 500

सत्यमेव जयते

भारत

पाँच सौ रुपये   FIVE HUNDRED RUPEES

46 ... Pro 'C'

23 I A' with the permission by L.R.D.C. Simdega vide case NO 506/2013-14

order dated 28.2.14

27.3.14

१1१ लेख्यकारी :- श्री बिराज लकड़ा पिता स्व0 ऐजुब लकड़ा जाति उरांव पेशा खेती बारी निवास गांव सिमडेगा घोचो टोली थाना सिमडेगा जिला सिमडेगा - - - - - - - - - - - - - विक्रेता ।

शपथ-पत्र संख्या - - 141 / 2014 - - - - - / 2014

१2१ लेख्यधारी :- श्री भूषाण लकड़ा पिता स्व0 चोन्हास लकड़ा जाति उरांव पेशा खेती बारी निवास गांव सिमडेगा घोचो टोली थाना सिमडेगा जिला सिमडेगा - भारतीय नागरिक - - - क्रेता ।

शपथ-पत्र संख्या - - - 142 / 2014 - - - - - - / 2014

28/03/14

001572/14

कार्यालय जिला कोषागार
20 FEB 2014
सिमडेगा

क्रम सं. 6346 ता. 26 3/14

नाम श्री विराज लकड़ा

ग्राम सिमडेगा घोचोटोली, सिमडेगा

जिला सिमडेगा कारण केवाला

मुल्य क्रमांक 6346 से 6351

हस्ताक्षर नवचन्द्र सिंह

500×6= 3000/-

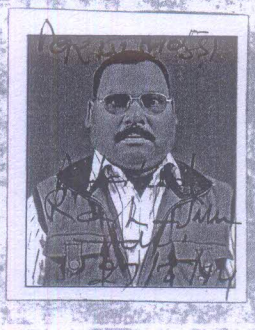

नवचन्द्र सिंह
(मुद्रांक विक्रेता),
सिमडेगा कोर्ट सिमडेगा
रजि नं0.17/57

बिराज लकड़ा
27.3.14

27.3.14 10 for

बिरसु लकड़ा
स्व. एफुल लकड़ा
घोचोटोली सिमडेगा
उरांव
27.3.14

जिला अवर निबंधक सिमडेगा
जिला-सिमडेगा, झारखण्ड

500Rs.

INDIA NON JUDICIAL

५००रु. Rs 500

सत्यमेव जयते

भारत

पाँच सौ रुपये FIVE HUNDRED RUPEES

§3§ लेख्य प्रकार :- विक्रय-पत्र केवाला बैला कलामी पुत्र-पुत्रादिक हमेशा के लिए ।

§4§ मूल्य :- मोवलिग पचहत्तर हजार रूपये अंके 75,000/- रूपये जिसका आधा मोवलिग साढ़े सैंतीस हजार रूपये अंके 37,500/- रूपये होता है ।

§5§ सम्पति :- एराजियात 0.02$\frac{1}{2}$ एकड़ § ढाई डिसमिल § जमीन हकियत रैयती मय दखाली पुश्तैनी खातियानी वाके मौजा सिमडेगा थाना नं0 116 थाना वो सदर रजिष्ट्री ऑफिस वो जिला सिमडेगा के खाता नं0 75 § पचहत्तर § प्लाट नं0 566 § पांच सौ छैयासठ § रकबा 0.03 एकड़ में से 0.02$\frac{1}{2}$ एकड़ § ढाई डिसमिल § जमीन जिसकी

चौहद्दी :- उत्तर :- बाउण्डरी भूषाण लकड़ा,

दक्षिण :- आंगन सुबोध लकड़ा,

पूरब :- छउर आम गैरमजरूआ,

पश्चिम :- मकान सुबोध लकड़ा ।

कुल एक खाता का एक प्लाट का टुकड़ा रकबा 0.02$\frac{1}{2}$ एकड़ जमीन सिर्फ जिसका मालगुजारी सालाने 01 पैसा अलावे शेष । वर्णित विक्रीत जमीन आवासीय है जिस पर किसी प्रकार की संरचना या निर्माण नहीं हुआ है ।

§1§ चूंकि इस समय मुझे मकान मरम्मति करने के वास्ते रूपये की अति आवश्यकता है इसलिए मैंने वर्णित जमीन का कुल मूल्य मो0 - 75,000/- रूपये नगद भुगतान पाकर उपर्युक्त लेख्यधारी श्री भूषाण

किरण लकड़ा
27.3.14

आवेदक ओमियन लकड़ा
पिता स्व. सुकुल लकड़ा
ग्राम - इन्दू पानी स्कूल टोली
थाना - सिमडेगा
जिला - सिमडेगा ता0 27.3.2014

500 Rs.

INDIA NON JUDICIAL

५०० रु.   Rs 500

सत्यमेव जयते

भारत

पाँच सौ रुपये   FIVE HUNDRED RUPEES

लकड़ा के पास रैयती बेचा और अपनी इच्छा से शरीर वो मन की स्वस्थ्यता में रह कर यह विक्रय-पत्र केवाला दस्तावेज लिख दिया कि प्रमाण रहे ।

(2) चूंकि हम दोनों पक्ष आदिवासी समुदाय के सुरक्षित रैयत हैं अतः जमीन बिक्री के पूर्व आवश्यक अनुमति हेतु सी. एन. टी. एक्ट अन्दर दफा 46 का मुकदमा वाद संख्या 506/2013-14 श्रीमान् उप समाहर्त्ता भूमि सुधार, सिमडेगा के न्यायालय में किया जिसकी स्वीकृति आदेश दिनांक 28-2-014 को हुई और मेमो नं0 213(ii) रेव. दिनांक 28-2-2014 के अनुसार मुझे तथा जिला सब रजिष्ट्रार, सिमडेगा को प्रतिलिपि भेजी गई ।

(3) मैं प्रतिज्ञा करता हूँ कि वर्णित विक्रीत जमीन हमारी पुश्तैनी खातियानी है जो पौलुस उरांव वो जुसफ उरांव वगैरह के नाम नाप दर्ज है तथा वर्तमान में उत्तराधिकारी नामान्तरण होकर हमारे नाम से सरकारी मालगुजारी की रसीद कटती है । वर्णित जमीन मेरे हिस्से की है जो आपसी जबानी भैयादी बंटवारा में प्राप्त है जिस पर मेरा निर्विवाद दखल वो कब्जा है । जमीन पर किसी प्रकार का झगड़ा झंझट या भार नहीं है । अब से उस पर सारा हक वो दखल कब्जा लेखधारी को हस्तान्तरित कर दिया अब से उस पर मेरा किसी प्रकार का दखल कब्जा वो हक अधिकार नहीं रहा न रहेगा और न भविष्य में मेरे किसी उत्तराधिकारी या स्थानापन्न का ।

500Rs.

INDIA NON JUDICIAL

सत्यमेव जयते

भारत

५०० रु. Rs 500

पाँच सौ रुपये FIVE HUNDRED RUPEES

﴾4﴿ चाहिए कि लेख्यधारी अपनी खारीदगी जमीन पर काबिज वो दखालकार होकर वो रह कर मकान सहन आदि बनावें वो जैसा मन चाहें अपने उपयोग में लावें वजरिये झारखाण्ड सरकार के जमींदारी सिरिस्ते अंचल कार्यालय सिमडेगा से तारीखा लेख्य से दाखिल खारीज करा कर मालगुजारी की रसीद खास नाम से हासिल करें ।

मैं, लेख्यकारी यह घोषणा करता हूँ कि वर्णित विक्रीत जमीन भू- हदबन्दी, खास महाल, कैसर-ए-हिन्द, भूदान या लीज से संबंधित नहीं है ।

सही - बिराज लकड़ा
27.3.14

बिराज लकड़ा 27.3.14

प्रमाणित किया जाता है कि बिराज लकड़ा का बायाँ हाथ का पाँचों अंगुलियों का छाप मेरे सामने लिया गया है।

राजेश्वर ठाकुर
अधिवक्ता
27/3/14

500 Rs.

-: 5 :-

मैं, लेख्यधारी यह घोषणा करता हूँ कि पूर्व धारित वो खरीदगी के बाद कुल धारित जमीन सिलिंग सीमा के अन्तर्गत नहीं आता है ।

सही - भूषण लकड़ा
27/3/2014

प्रमाणित किया जाता है कि भूषण लकड़ा का बायें हाथ का पांचों अंगुलियों का छाप मेरे सामने लिया गया है।

राजेश्वर साहु
अधिवक्ता
27/3/14

500 Rs.

INDIA NON JUDICIAL

५०० रु.

Rs 500

सत्यमेव जयते

भारत

पाँच सौ रुपये FIVE HUNDRED RUPEES

लेख्यकारी के कहे अनुसार इस विक्रय-पत्र केवाला दस्तावेज का प्रारूप तैयार कर दोनों पक्षों को उनके गवाहों के सामने पढ़ कर सुना वो समझा दिया वो स्वयं भी पढ़ कर दस्तावेज स्वीकार किये ।

प्रारूप कर्त्ता,

तारीख -27/3/14

प्रमाणित किया जाता है कि इस दस्तावेज के कुल 6 पृष्ठों में कुल 574 शब्द टंकित हैं जो खण्डन रहित वो नक्शा सहित है ।

टंकक -

ह0/- नारायण दास 27/3/14

{ नारायण दास }

कचहरी परिसर, सिमडेगा ।